भाग-1
परिचयात्मक व्यष्टि अर्थशास्त्र

इकाई 1

व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र—एक परिचय एवं सामान्य अर्थव्यवस्था

[MICRO AND MACRO ECONOMICS : AN INTRODUCTION AND GENERAL ECONOMY]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. समष्टि अर्थशास्त्र में अध्ययन किया जाता है— **(म. प्र. 2019)**

(a) वैयक्तिक आर्थिक इकाइयों का (b) समग्र का
(c) वैयक्तिक इकाइयों तथा समग्र दोनों का (d) ज्वलंत समस्याओं का।

2. भारतीय अर्थव्यवस्था है—

(a) केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था (b) बाजार अर्थव्यवस्था
(c) मिश्रित अर्थव्यवस्था (d) इनमें से कोई नहीं।

3. सबसे पहले 'माइक्रो' शब्द का प्रयोग करने वाले अर्थशास्त्री हैं—

(a) मार्शल (b) बोल्डिंग (c) कीन्स (d) रेग्नर फिश।

4. किसने कहा 'अर्थशास्त्र, धन का विज्ञान है'—

(a) प्रो. रॉबिन्स ने (b) प्रो. जे. के. मेहता ने
(c) प्रो. मार्शल ने (d) प्रो. एडम स्मिथ ने।

5. उत्पादन सम्भावना वक्र का आकार कैसा होता है—

(a) मूल बिन्दु की ओर अवनतोदर (b) नतोदर
(c) सीधी रेखा (d) इनमें से कोई नहीं।

6. उत्पादन संभावना वक्र के अवनतोदर आकार का कारण है—

(a) बढ़ती अवसर लागत (b) घटती अवसर लागत
(c) समान अवसर लागत (d) ऋणात्मक अवसर लागत

7. संसाधनों के पूर्ण उपयोग वाला बिन्दु उत्पादन संभावना वक्र के किस ओर पाया जाता है—

(a) बायीं ओर (b) दायीं ओर (c) अन्दर की ओर (d) ऊपर।

उत्तर— 1. (b), 2. (c), 3. (d), 4. (d), 5. (a), 6. (b), 7. (d).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. प्रत्येक व्यक्ति के पास ..... वस्तुओं की कुछ ही मात्रा होती है।
2. ..... में व्यक्तिगत आर्थिक इकाइयों के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है।
3. अवसर लागत उत्पादन सूची में ..... को स्पष्ट करती है।
4. व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्र दोनों एक-दूसरे के ..... हैं।
5. आर्थिक वृद्धि का संबंध ..... अर्थशास्त्र से होता है।
6. अर्थव्यवस्था ..... इकाइयों का समूह होती है।
7. मिश्रित अर्थव्यवस्था ..... और ..... को मिलाकर बनती है।
8. उत्पादित वे सभी वस्तुएँ अथवा सेवाएँ जो अन्य वस्तुओं अथवा सेवाओं के उत्पादन में काम आती हैं ..... वस्तु कहलाती हैं।

Scanned with CamScanner

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की तीन विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) सम्पत्ति का अधिकार—प्रत्येक व्यक्ति को निजी सम्पत्ति रखने, प्रयोग करने तथा हस्तांतरण करने का पूर्ण अधिकार होता है।

(2) उपभोक्ता को सार्वभौमिकता—पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता को सार्वभौमिक सत्ता प्राप्त है अर्थात् अपनी आय को इच्छानुसार खर्च करने की स्वतंत्रता होती है।

(3) कीमत यंत्र—पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक कार्यों के संचालन का कार्य कीमत तंत्र द्वारा सम्पादित होता है।

प्रश्न 2. मिश्रित अर्थव्यवस्था की तीन प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर—मिश्रित अर्थव्यवस्था की प्रमुख तीन विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) निजी एवं सार्वजनिक सम्पत्ति का सह-अस्तित्व—मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक दोनों क्षेत्र एक साथ पाए जाते हैं अर्थात् दोनों ही क्षेत्र को समान महत्व दिया जाता है।

Scanned with CamScanner

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. समष्टि अर्थशास्त्र से क्या आशय है ? इसकी दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—समष्टि अर्थशास्त्र से आशय—समष्टि अर्थशास्त्र, आर्थिक ज्ञान की वह शाखा है, जो संपूर्ण अर्थव्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था से संबंधित बड़े योगों व औसतों का, उनके व्यवहार एवं पारस्परिक संबंधों का अध्ययन करती है।

समष्टि अर्थशास्त्र की विशेषताएँ—समष्टि अर्थशास्त्र की निम्नलिखित दो विशेषताएँ हैं—

(1) समष्टि अर्थशास्त्र की धारणा विस्तृत—समष्टि अर्थशास्त्र की धारणा विस्तृत है। इसमें छोटी इकाइयों को महत्व नहीं दिया जाता, बल्कि इसकी सहायता से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय समस्या का हल निकाला जाता है। अत: समष्टि अर्थशास्त्र प्रावैगिक अर्थव्यवस्था को महत्व देता है।

(2) विस्तृत विश्लेषण—समष्टि अर्थशास्त्र में विस्तृत विश्लेषण को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है। उदाहरण के लिए, समष्टि अर्थशास्त्र में सरकार की मौद्रिक एवं राजस्व की नीतियों का अध्ययन किया जाता है जो कि सामान्य प्रभावों को स्पष्ट करता है तथा इस तथ्य को नजर अंदाज कर दिया जाता है कि इन नीतियों का व्यक्तियों अथवा उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? यदि सार्वजनिक आय तथा सार्वजनिक व्यय का परस्पर प्रभाव समाज पर अच्छा पड़ रहा है, तो निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि समाज में रहने वाले व्यक्ति पर इसका अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

प्रश्न 2. व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर स्पष्ट कीजिए। (कोई चार)

(NCERT, म. प्र. 2019)

उत्तर—व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर—

क्र.	अन्तर का आधार	व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
1.	आशय	व्यष्टि अर्थशास्त्र में आर्थिक इकाई के एक भाग का अध्ययन किया जाता है, जैसे—एक उत्पादक, एक उपभोक्ता, एक विनियोजक, एक व्यापारी आदि।	समष्टि अर्थशास्त्र में संपूर्ण अर्थव्यवस्था का एक वृहत् इकाई के रूप में अध्ययन किया जाता है।
2.	उद्देश्य	इसका उद्देश्य संसाधनों का सर्वोत्तम आबंटन है।	इसका उद्देश्य संसाधनों के पूर्ण रोजगार एवं विकास से होता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. व्यष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ बताते हुए इसकी विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—व्यष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ—व्यष्टि अर्थशास्त्र अंग्रेजी भाषा के शब्द 'माइक्रो' (micro), ग्रीक भाषा के शब्द 'माइक्रोस' (micros) का हिन्दी रूपान्तरण है। व्यष्टि से अभिप्राय है—अत्यंत छोटी इकाई, दस लाखवाँ भाग, अर्थात् व्यष्टि अर्थशास्त्र का संबंध अध्ययन की सबसे छोटी इकाई से है। इस प्रकार, व्यष्टि अर्थशास्त्र के अंतर्गत वैयक्तिक इकाइयों जैसे—व्यक्ति, परिवार, उत्पादक फर्म उद्योग आदि का अध्ययन किया जाता है।

प्रो. चेम्बरलिन के अनुसार, "व्यष्टि अर्थशास्त्र पूर्णरूप से व्यक्तिगत व्याख्या पर आधारित है और इसका संबंध अंतर-वैयक्तिक संबंधों से भी होता है।"

व्यष्टि अर्थशास्त्र की विशेषताएँ—व्यष्टि अर्थशास्त्र की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

(1) वैयक्तिक इकाइयों का अध्ययन—व्यष्टि अर्थशास्त्र में वैयक्तिक इकाइयों का ही अध्ययन किया जाता है। व्यष्टि अर्थशास्त्र वैयक्तिक आय, वैयक्तिक उत्पादन एवं वैयक्तिक उपभोग आदि की व्याख्या करने में सहायता करता है। यह प्रणाली अपना संबंध समूहों से न रखकर इकाइयों से रखती है। इस प्रकार व्यष्टि अर्थशास्त्र वैयक्तिक समस्याओं का अध्ययन करते हुए समस्त अर्थव्यवस्था के विश्लेषण में सहायता प्रदान करता है।

(2) सूक्ष्म चरों का अध्ययन—सूक्ष्म अर्थशास्त्र की दूसरी विशेषता के रूप में यह छोटे-छोटे चरों का अध्ययन करती है। इसके चरों का प्रभाव इतना कम है कि इसके परिवर्तनों का प्रभाव संपूर्ण अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ता है। उदाहरण के लिए—एक उपभोक्ता अपने उपभोग, एक उत्पादक अपने उत्पादन से संपूर्ण अर्थव्यवस्था की माँग पूर्ति को प्रभावित नहीं कर सकता है।

(3) व्यक्तिगत मूल्य का निर्धारण—व्यष्टि अर्थशास्त्र को कीमत सिद्धांत अथवा मूल्य सिद्धांत के नाम से भी जाना जाता है। इसके अंतर्गत वस्तु की माँग एवं पूर्ति की घटनाओं का अध्ययन किया जाता है। इसके साथ-साथ माँग एवं पूर्ति के द्वारा विभिन्न वस्तुओं के व्यक्तिगत मूल्य-निर्धारण भी किये जाते हैं।

प्रश्न 4. व्यष्टि अर्थशास्त्र की कोई चार सीमाएँ लिखिए।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 7. समष्टि अर्थशास्त्र के कोई चार गुण लिखिए। (2)

उत्तर—समष्टि अर्थशास्त्र के महत्व या गुण निम्नानुसार हैं—

(1) जटिल समस्याओं के अध्ययन में सहायक—आधुनिक अर्थव्यवस्था अत्यन्त जटिल है। अनेक आर्थिक तत्व एक-दूसरे पर आश्रित रहते हैं। समष्टि अर्थशास्त्र के विश्लेषण की सहायता से पूर्ण रोजगार, व्यापार चक्र आदि जटिल समस्याओं का अध्ययन हो जाता है।

(2) आर्थिक नीतियों के निर्माण में सहायक—सरकार का प्रमुख कार्य कुल रोजगार, कुल आय, कीमत स्तर, व्यापार के सामान्य स्तर आदि पर नियंत्रण करना होता है। समष्टि अर्थशास्त्र सरकार को आर्थिक नीतियों के निर्माण में सहायता पहुँचाता है।

(3) व्यष्टि अर्थशास्त्र के अध्ययन में सहायक—समष्टि अर्थशास्त्र का अध्ययन व्यष्टि अर्थशास्त्र के अध्ययन में सहायक है क्योंकि व्यक्तिगत इकाइयाँ अपने विश्लेषण में समष्टि अर्थशास्त्र की सहायता लेती हैं।

(4) आर्थिक विकास का अध्ययन—समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास के संसाधनों एवं क्षमताओं का मूल्यांकन किया जाता है। राष्ट्रीय आय उत्पादन एवं रोजगार के स्तर में वृद्धि करने के लिए योजनाएँ बनायी तथा कार्यान्वित की जाती हैं ताकि अर्थव्यवस्था का बहुमुखी विकास हो सके।

प्रश्न 8. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं की विवेचना कीजिए। **(NCERT)**

उत्तर—वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग जीवन की आधारभूत आर्थिक गतिविधियों के अंतर्गत आते हैं। प्रत्येक समाज को इन आधारभूत आर्थिक क्रियाकलापों के दौरान संसाधनों की कमी का

Scanned with CamScanner

प्रश्न 12. केन्द्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था के भेद को स्पष्ट कीजिए।
(म. प्र. 2020)

उत्तर—केन्द्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था में अंतर—

क्र.	अंतर का आधार	केन्द्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था	बाजार अर्थव्यवस्था
1.	नियंत्रण	इस प्रकार की अर्थव्यवस्था में माँग एवं पूर्ति पर सरकार का नियंत्रण रहता है।	इस अर्थव्यवस्था में माँग पूर्ति के अनुसार नियंत्रित होती है। इस पर सरकार का नियंत्रण नहीं रहता है।
2.	उत्पादन का उद्देश्य	इसमें उत्पादन करने का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कल्याण में वृद्धि करना होता है।	इसमें उत्पादन का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ कमाना होता है।
3.	सरकार की भूमिका	इस उत्पादन प्रक्रिया में सरकार सक्रिय भूमिका का निर्वहन करती है।	इस उत्पादन प्रक्रिया में सरकार की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं होती है।
4.	विकास प्रक्रिया	इस अर्थव्यवस्था में विकास प्रक्रिया सरकार द्वारा बनायी गई योजना के अनुरूप चलती है।	इस अर्थव्यवस्था में विकास प्रक्रिया को बाजार की शक्तियों पर छोड़ दिया जाता है।
5.	स्वामित्व	इसमें सम्पत्ति के निजी स्वामित्व पर सरकार का नियंत्रण रहता है। सरकार सम्पत्ति के निजी स्वामित्व की उच्चतम सीमा का निर्धारण कर सकती है।	इसमें सम्पत्ति के निजी स्वामित्व की मात्रा पर सरकार का कोई प्रतिबन्ध नहीं होता है।

प्रश्न 13. उत्पादन संभावना वक्र की कोई तीन मान्यताएँ लिखिए।

उत्तर—उत्पादन संभावना वक्र की धारणा निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है—

1. दो वस्तुएँ—यह मान लिया गया है कि अर्थव्यवस्था में केवल दो ही वस्तुओं या दो संयोगों का उत्पादन किया जाता है। जैसे—गेहूँ तथा कपड़े पूँजीगत वस्तु तथा उपभोक्ता वस्तु हैं।

2. स्थिर तकनीक—उत्पादन की तकनीक स्थिर है अर्थात् उसमें कोई परिवर्तन नहीं हो रहा है।

3. संसाधनों की मात्रा—अर्थव्यवस्था में संसाधनों की मात्रा सीमित होती है, किन्तु इन्हें एक उपयोग से दूसरे उपयोग में हस्तांतरित किया जा सकता है।

प्रश्न 14. क्या समाजवादी अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय समस्याओं का हल संभव है, यदि हाँ, तो कैसे ?

उत्तर—एक समाजवादी अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय समस्याओं अर्थात् क्या उत्पादन होगा, कैसे उत्पादन होगा तथा किसके लिए उत्पादन होगा, आदि का समाधान राज्य अथवा आर्थिक नियोजन सत्ता द्वारा किया जाता है। नियोजन सत्ता इस कार्य के लिए अनेक उपसत्ताओं का गठन करती है। ये उप-सत्ताएँ अपने क्षेत्र की विशिष्ट

Scanned with CamScanner